ज्योत जले दिन रात

ज्योत जले दिन रात,
मईया जी तेरी ज्योत जले ॥*॥

इस ज्योति का, रूप निराला।
अँधेरे में, करदे उजाला ॥
*मेरे मन में, वस जा भवानी ॥,
हर पल रहना साथ,
मईया जी तेरी ज्योत जले,
ज्योत जले दिन रात,
मईया जी तेरी ज्योत जले,,,
ज्योत जले दिन रात.....

दुःखियों को तूँ, गले लगावे।
विछड़ों को तूँ, आप मिलावे ॥
*मुझ को बुला ले, शेरांवाली ॥,
छोड़ न देना साथ,
मईया जी तेरी ज्योत जले,
ज्योत जले दिन रात,
मईया जी तेरी ज्योत जले,,,
ज्योत जले दिन रात.....

द्वार तेरे पे, जो भी आवे।
बिन मांगे वोह, सब कुछ पावे ॥
*मेरी भी झोली, भर दो भवानी ॥,
कभी न करना निराश,
मईया जी तेरी ज्योत जले,
ज्योत जले दिन रात,
मईया जी तेरी ज्योत जले,,,
ज्योत जले दिन रात,
मईया जी तेरी ज्योत जले ॥॥॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23303/title/jyot-jale-din-raat

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |